ऊँचा ऊँचा डूंगर पे जोगणिया थारा देवरा लिरिक्स

ऊँचा ऊँचा डूंगर पे,
जोगणिया थारा देवरा,
ध्वजा फरुखे आसमान,
दरसण दीजो रे।bd।

कुमारी आई है,
जोगणिया थारे देवरे,
कलस पुराया थारे पाठ,
दरसण दीजो रे।bd।

दरजी आयो हे,
जोगणिया थारे जातरी,
पेरो पेरो दकनी चिर,
दरसण दीजो रे।bd।

सोनी तो आयो हे,
जोगणिया थारे द्वार पे,
लायो लायो सोना वालो हार,
दरसण दीजो रे।bd।

मालिडो ऊबो हे,
जोगणिया थारे बारणे,
भेट करे फूल माल,
दरसण दीजो रे।bd।

गावे वजावे हे,
जोगणिया थारे देवरे,
कोई धरम तंवर यश गाये,
शरणा में राखो हे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ऊँचा ऊँचा डूंगर पे,
जोगणिया थारा देवरा,
ध्वजा फरुखे आसमान,
दरसण दीजो रे।bd।

लेखक और गायक – धर्मेंद्र तंवर उदयपुर।
मोबाइल नो. 9829202569

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com